टेस्ट देने वाली छात्राएं नवंबर- दिसंबर में राज्य ओपन स्कूल परीक्षा में शामिल होंगी

पढ़ाई छोड़ चुकीं 2400 छात्राओं व महिलाओं ने एक साथ दी परीक्षा, वर्ल्ड रिकॉर्ड का दावा

सोमवार को स्टेडियम ग्राउंड में हुआ परीक्षा का आयोजन

राजगढ़। नवदुनिया प्रतिनिधि

विभिन्न कारणों से पढ़ाई छोड़ चुकी जिले की करीब 2400 छात्राओं और महिलाओं ने राज्य ओपन स्कूल परीक्षा में शामिल होने के लिए सोमवार को यहां के स्टेडियम में एक साथ परीक्षा (मिड टर्म टेस्ट) दी। शिक्षा विभाग का दावा है कि यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस टेस्ट देने वाली छात्राएं, महिलाएं नवंबर-दिसंबर में होने वाली राज्य ओपन स्कूल परीक्षा में शामिल होंगी।

जिला शिक्षा अधिकारी बीएस बिसारिया ने बताया कि जिले की जो छात्राएं, महिलाएं किन्हीं कारणों से पढ़ाई छोड़ चुकी थीं। उन्हें फिर से पढ़ाई की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अभियान चलाया है। इसके तहत जिला प्रशासन एवं ईसीजीसी नामक संस्था के माध्यम से सोमवार को स्टेडियम ग्राउंड में दोपहर 1 से 2 बजे तक जिलेभर की करीब 2400 छात्राओं और महिलाओं की परीक्षा (मिड टर्म टेस्ट) ली गई।

बाद में संवाद कार्यक्रम रखा गया था। इसमें शामिल छात्राएं और महिलाएं नवंबर-दिसंबर में होने वाली राज्य ओपन स्कूल परीक्षा में शामिल होंगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि पढ़ाई छोड़ने वाली 2400 छात्राओं और महिलाओं द्वारा एक साथ परीक्षा (टेस्ट) देना अपने आप में वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसके लिए एक कमेटी बनी थी, जिसने यह सब देखा है।

मुख्य परीक्षा के लिए जी-जान से जुट जाओ : कलेक्टर

कलेक्टर निधि निवेदिता ने कहा कि हमने टेस्ट के दौरान देखा कि हैंडराइटिंग भी अच्छी है। उन्होंने छात्राओं, महिलाओं से आह्वान किया कि नवंबर-दिसंबर में मुख्य परीक्षा होना है, इसलिए जी-जान से जुट जाओ। पूरी तरह से अभ्यास करती रहो, जहां कमियां हैं उन्हें दूर करो। मुख्य परीक्षा में कम से कम 80 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

राजगढ़। सोमवार को खेल स्टेडियम में परीक्षा देती हुई छात्राएं और महिलाएं। ● नवदुनिया

छात्रा ने मंच पर रोते हुए मांगा रोजगार

सुठालिया कन्या उमावि की छात्रा संगीता वंशकार ने मंच पर कहा कि हम सात भाई-बहन हैं। दो भाई व पांच बहनें हैं। मुझे यहां पढ़ने का मौका मिला यह मेरे लिए खुशी की बात है। इसके बाद वह रो पड़ी और परिवार की स्थिति कमजोर बताते हुए रोजगार की मांग की। उसने कहा कि मेरी मां घर चला रही है, इसलिए मैं चाहती हूं कि मैं उनका सहारा बन सकूं और बेटे की तरह सहयोग कर सकूं।

राजगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करतीं बालिकाएं। ● नवदुनिया

मैं चाहता हूं कि मेडिकल कॉलेज व उद्योग लगे : विधायक

विधायक बापूसिंह तंवर ने कहा कि बेटियों तुम किसी से कम नहीं हो। मेरी कोशिश है कि जिला मुख्यालय पर छात्राओं के लिए एक छात्रावास खुल सके, इसके लिए मैं प्रयासरत हूं। राजगढ़ में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए भी प्रयासरत हूं। इसके लिए डीपीआर बनवाकर भेजी जा चुकी है। उद्योग खोलने के लिए मैं हाल ही में मुख्यमंत्री से मिला हूं। मुख्यमंत्र ने जल्द उद्योग लगाने के लिए भी आश्वस्त किया है।

बेटियों जिंदगी बनाने का अच्छा अवसर मिला है : आयुक्त

संबोधित करतीं आयुक्त जयश्री कियावत।

लोक शिक्षण आयुक्त जयश्री कियावत भी राजगढ़ पहुंचीं थीं। उन्होंने इस तरह के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेटियों तुम्हें अच्छा अवसर मिला है, जिंदगी बनाने का। यदि तुम शिक्षित होंगी तो परिवार, समाज को भी शिक्षित करोगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन बेटियों को टेस्ट की कॉपी दिखाई जाएं, ताकि वे और वह अपनी कमियां दूर कर सकें।

घूंघट की ओट में आईं, पद संभालकर जाने अधिकार

डही। नईदुनिया न्यूज

सोमवार को गांव-गांव के सरकारी स्कू लों में हुई शाला प्रबंधन समिति के गठन में आदिवासी महिलाओं का उत्साह देखते ही बनता था। भले ही पुरुषों की उपस्थिति में वे घुंघट में स्कू ल की दहलीज पर पहुंची, लेकिन यह देखकर साफ हो गया कि अधिकार और दायित्व ग्रामीण महिलाएं बखूबी निभा सकती हैं। फिर चाहे वह निरक्षर हो या साक्षर। डही में मनीता अलावा उपाध्यक्ष बनी तो पन्हाल, पलवट, छाछकुआं, कष्टा जैसे दूरस्थ गांवों में एसएमसी गठन की बैठक में रेशमाबाई, सुरलीबाई, सुनीताबाई, वेस्तीबाई घुंघट में पहुंची। नियम की बात आई तो महिलाओं को सदस्य बनाने पर जोर देने लगी।

शासन के निर्देश पर 2 साल के लिए क्षेत्र की प्राथमिक व माध्यमिक सरकारी स्कूलों में शाला प्रबंधन समिति यानी एसएमसी के गठन को लेकर 21 अक्टूबर को सुबह 10.30 से दोपहर 3 बजे तक प्रक्रिया चली। इसमें शासन नियमानुसार आधे पदों पर महिला सदस्यों को नियुक्ति दी गई। कुछ स्कूलों में अध्यक्ष पद पर महिलाएं काबिज हुई तो वहीं अधिकांश जगह पर उपाध्यक्ष पद पर महिलाएं काबिज हुई। शेष कार्यकारी सदस्यों में आधा हक महिलाओं को

डही के सरकारी स्कूलों में एसएमसी गठन के लिए पहुंची महिलाएं व अन्य। ● नईदुनिया

मिला। पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में शाला के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों द्वारा एसएमसी गठन प्रक्रिया अभिभावकों की उपस्थिति में संपन्न की गई। इसमें गठन प्रक्रिया में नियमों से अभिभावकों को अवगत कराया गया और उपस्थित अभिभावकों में से पहले ए-ग्रेड वाले पालकों और वंचित वर्ग के पालकों को एसएमसी में जगह मिली।

उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 2017 को गठित की गई एसएमसी का 2 वर्षीय कार्यकाल जून 2019 में समाप्त हो चुका था। इसके साढ़े तीन माह बाद जाकर आदेश हुए और फिर नए सिरे से 21 अक्टूबर को शालाओं में शासन के निर्देशानुसार एसएमसी के गठन की कार्रवाई की गई। बीईओ सतीशचंद्र पाटीदार व बीआरसी मनोज दुबे ने बताया कि अब समिति में जिन सदस्यों को मनोनीत किया गया है, उनके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सदस्यों को आगामी दिनों में प्रशिक्षण दिए जाने की कवायद चलेगी।